

# UP Board BchYg Class 7 Hindi Chapter 30 मुंशी प्रेमचन्द (महान व्यक्तित्व)

---

## पाठ का सारांश

मुंशी प्रेमचन्द का असली नाम धनपत राय था। इनका जन्म सन् 1880 में वाराणसी जिले के लमही ग्राम में हुआ था। इनके पिता अजायबराय डाकखाने में क्लर्क थे। प्रेमचन्द की शिक्षा का आरम्भ उर्दू में हुआ था। इनका बचपन कठिनाई में बीता, फिर भी इन्होंने बी०ए० की परीक्षा ट्यूशन पढा-पढाकर पास कर ली। फिर अठारह रुपये मासिक वेतन पर अध्यापक बने। इसके बाद सब-डिप्टी इंस्पेक्टर ऑफ स्कूल हुए। देश की आजादी के लिए इन्होंने देशप्रेम की कहानियाँ लिखीं और अंग्रेजों की अन्यायपूर्ण नीतियों के विरुद्ध लिखा। प्रेमचन्द सामाजिक कुरीतियों, अर्थहीन रूढ़ियों, परम्पराओं और अन्ध-विश्वासों का विरोध करते रहे। गांधी जी के कहने पर ये स्वाधीनता की लड़ाई में सम्मिलित हुए। अनेक कहानियों तथा उपन्यासों के द्वारा भारतीय संस्कृति तथा समाज का सही चित्रण प्रस्तुत किया और उसे प्रगति के उपाय सुझाए।